

॥ भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड ॥1॥ में प्रकाशित ॥

01.2.11.85

भारत सरकार
ऊर्जा मंत्रालय
कोयला विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 25-10-85

अधिसूचना

का.आ. 5162

केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय
कोयला विभाग की अधिसूचना सं. 816 तारीख 2 मार्च, 1984 द्वारा जो भारत
के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 उपखंड ॥1॥ तारीख 17 मार्च, 1984 में प्रकाशित की
गई थी, उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिदेत्र में माप में 349.00
एकड़ लगभग या 141.23 हेक्टर लगभग भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की
सूचना कोयला धारक क्षेत्र और विकास अधिनियम 1957 का 20
की धारा 7 की उपधारा ॥1॥ के अधीन दी थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में, केन्द्रीय
सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार का पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् तथा
बिहार सरकार से परामर्श करने के पश्चात्, यह समाधान ही गया है कि इससे
संलग्न अनुसूची में वर्णित माप में 349.00 एकड़ लगभग या 141.23 हेक्टर लगभग
भूमि का अर्जन कर लिया जाना चाहिए ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 को उपधारा ॥1॥ द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में वर्णित,
माप में 349.00 एकड़ लगभग या 141.23 हेक्टर लगभग भूमि का अर्जन किया
जाना है ।

2. इस अधिसूचना के अर्जन आने वाले क्षेत्र के रेखांकित की निरीक्षण उपायुक्त
निरिडीह बिहार के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, काउंसिल हाउस स्ट्रीट,
कलकत्ता के कार्यालय में या केन्द्रीय कोयला लि. राजपुरा अनुभाग, दरभंगा
हाउस, रांची विहार के कार्यालय में किया जा सकता है ।

अनुसूची

गुंजरडीह ब्लॉक विस्तार
॥पूर्वी बोकारो कोयला क्षेत्र ॥
बिहार

रेखांकित सं. राजस्व/105/84
तारीख 11.7.1985

॥ जिसमें अर्जित भूमि दिखाई गई है ॥
सभी अधिकार

क्र. सं.	थाना	थाना सं. जिला	क्षेत्र	टिप्पणियाँ
1.	माकोली नवाडीह ॥बोरमो॥	69 गिरिडीह	52.25	भाग
2.	गुंजरडीह नवाडीह ॥बेरमो॥	72 गिरिडीह	230.25	भाग
3.	चपरी नवाडीह ॥बेरमो॥	73 गिरिडीह	66.50	भाग
कुल क्षेत्र या		349.00 एकड़ ॥लगाना॥ 141.23 हेक्टर ॥लगाना॥		

ग्राम माकोली में अर्जित प्लॉट संख्यांक 1 ॥भाग॥ ग्राम गुंजरडीह में अर्जित प्लॉट संख्यांक 212 ॥भाग॥ ग्राम चपरी में अर्जित प्लॉट संख्यांक 1440 ॥

सीमा वर्णन

क-ख रेखा ग्राम चपरी में प्लॉट सं. 763, 764, 767 और 766 से होकर चलेगी है और बिन्दु "उ" पर मिलती है।

ख-ग- रेखाएं ग्राम चपरी में प्लॉट सं. 1440 में से माकोली ग्राम प्लॉट सं. 1 में से गुंजरडीह ग्राम में प्लॉट सं. 212 से होकर जाती है ॥जो एक चर्चार्थिन्यन की धारा 9 ॥1॥ के अधीन अर्जित गुंजरडीह ब्लॉक की सीमा है॥ और बिन्दु "च" पर मिलती है।

....

- ज-छ-ज रेखाएं ग्राम गुंजरडीह में प्लॉट सं. 212 से होकर जाती है और बिन्दु "ज" पर मिलती है ।
- ज-झ रेखा ग्राम गुंजरडीह के प्लॉट सं. 160, 155 की पूर्वी सीमा, प्लॉट सं. 158 की पूर्वी और दक्षिणी सीमा प्लॉट सं. 157 की दक्षिणी सीमा, प्लॉट सं. 155 की पूर्वी सीमा प्लॉट सं. 154 की पूर्वी और दक्षिणी सीमा, प्लॉट सं. 153 और 152 की दक्षिणी प्लॉट सं. 155 की दक्षिणी सीमा प्लॉट सं. 91, 78 की पूर्वी सीमा प्लॉट सं. 77 की पूर्वी और दक्षिणी सीमा प्लॉट सं. 76 की उत्तरी सीमा पूर्वी और दक्षिणी सीमा प्लॉट सं. 80 की भागतः पूर्वी और दक्षिणी सीमा, प्लॉट सं. 71, 72, 73 की पूर्वी सीमा, प्लॉट सं. 74 की पूर्वी सीमा और भागतः दक्षिणी सीमा प्लॉट सं. 212 में से और प्लॉट सं. 75 की भागतः पूर्वी सीमा से होकर जाती है और बिन्दु "झ" पर मिलती है ।
- झ-ज-ट- रेखाएं ग्राम गुंजरडीह और माकोली, चपरी और माकोली की भागतः ठ-ड सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ड" पर मिलती है ।
- ड-ढ रेखा तिसरी नदी के भागतः दायें किनारे के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ढ" पर मिलती है ।
- ढ-क रेखा ग्राम चपरी के प्लॉट सं. 1440 से होकर जाती है और शारीरक बिन्दु "क" पर मिलती है ।

§ समय सिंह §

अवर सचिव, भारत सरकार

सं. 43019/19/84-

जी.ए.

अवा में

प्रमुख,
भारत सरकार कुर्छाल,
मायापुरी, पटना रोड,
नई दिल्ली.